



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रसाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार द्वारा प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र. 370] नई विल्सो, बृहस्पतिवार, दिनांक 29, 1974/भाग 7, 1856

No. 370] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 29, 1974/RHDRA 7, 1856

इस भाग में विभिन्न पृष्ठ संलग्न ही जारी है जिससे यह यह असर संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT

NOTIFICATION

New Delhi, the 29th August 1974

S.O. 512(E)/IDRA/74/13.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98(E)/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, namely:—

In the notification, in Schedule V, after item No. 11, the following item shall be added, namely:—

‘12. AAC/ACSR Conductors falling under item “(6) Electrical Cables and Wires” under the heading, “5. ELECTRICAL EQUIPMENT.”

2. In pursuance of sub-section (2) of section 29B of said Act, the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification as the period after the expiry of which no owner of any industrial undertaking engaged in the manufacture of AAC/ACSR Conductors shall carry on the business of such undertaking, except under and in accordance with a licence issued in this behalf by the Central Government and in the case of State Governments except under and in accordance with the previous permission of the Central Government.

[No. F.12(72)/L.P./74]

S. K. SAHOO, Jt. Secy.

ग्रोवोगिक विकास मंत्रालय

प्रधिसूचना

नई दिल्ली, 29 अगस्त, 1974

का० आ० 512 (म) /आई डी आर ए /74/13.—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) प्रधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 29ब की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के ग्रोवोगिक विकास मंत्रालय (ग्रोवोगिक विकास विभाग) की प्रधिसूचना सं० 98 (ई) /आई डी आर ए/29ब/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त प्रधिसूचना में, अनुसूची 5 में, मद सं० 11 के पश्चात् निम्नलिखित मर जोड़ी जाएगी, अर्थात् :—

'12. "(5) विशुद्ध उपस्कर" शीर्षक के नीचे मद "(6) विशुद्ध केबिल और तार" के अन्तर्गत आने वाले ए-ए सी/ए सी एस आर चालक ।'

2. केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की धारा 29ब की उपधारा (2) के अनुसरण में इस प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 6 मास की प्रब्रह्मि को ऐसी अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है जिसकी समाप्ति के पश्चात् ए-ए-सी/ए सी एस आर चालकों के विनियमन में लगे हुए किसी ग्रोवोगिक उपकरण का स्वामी, इस निमित्त केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई अनुमति के अधीन वह उसके अनुसरण के सिवाय और राज्य सरकारों की दस्ता में केन्द्र सरकार की पूर्व अनुमति के अधीन और उसके अनुसरण के सिवाय, ऐसे उपकरण का कारबार नहीं चलाएगा ।

[सं० फा० 12 (72)/एल० पी० /74]

एस० के० सहगल, संयुक्त सचिव ।